SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

Room to Read

# बच्चों के सीखने में परिवार की भागीदारी

## -एक प्रयास

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

**State Council of Educational Research and Training, Delhi**
Varun Marg, Defence Colony, Delhi-110024

ISBN : 978-93-93667-56-4
© SCERT
20000 Copies
March, 2022

**सलाहकार**

श्री एच. राजेश प्रसाद, प्रधान शिक्षा सचिव, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
श्री रजनीश सिंह, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

**शैक्षिक सलाहकार**

डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

**समन्वयक**

डॉ. रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

**निर्माण समिति सदस्य**

डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. मीना सहरावत, सहायक प्रोफेसर, डाइट, घुमनहेरा, दिल्ली
डॉ. गीता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
श्री रूपक चौहान, रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट, दिल्ली
श्री सुमन स्वर्णकार, रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट, दिल्ली

**संपादक**

डॉ. रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. मीना सहरावत, सहायक प्रोफेसर, डाइट-घुमनहेरा

**प्रकाशन अधिकारी**

डॉ. मुकेश यादव, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

**प्रकाशन दल**

नवीन कुमार एव राधा

**प्रकाशन :** राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
**मुद्रक :** एजुकेशनल स्टोर्स, एस-5 बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रियल एरिया साईट-1 गाजियाबाद (उ.प्र.)

*Rajanish Singh*
*Director*

**State Council of Educational Research and Training**
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356, Fax : +91-11-24332426
E-mail : dir12scert@gmail.com

Date : 16/3/22

D.O. No. : F10(1)/SCERT/DIR/416

# संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तगर्त शिक्षा के क्षेत्र में हुए गुणवत्तापूर्ण सुधार विशेष रूप से पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक कक्षाओं के लिए आधारभूत साक्षरता और गणितीय कौशल (एफ एल एन) मिशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति आने की आशा की जा रही है। जिसके माध्यम से छोटे बच्चे जीवन के शुरूआती दौर से ही पढ़कर समझ पाएंगे और गणितीय कौशल का भी बेहतर ढंग से प्रयोग कर पाएंगे। इस मुहिम को सफल बनाने में परिवार के सदस्यों के साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत गठित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी गई है क्योंकि ये सभी अपने विद्यालय के साथ–साथ मौहल्ले में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। दिल्ली में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की स्कूलो में बहुत प्रभावशाली भागीदारी रही है हमारा मानना है कि निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगे। इस पुस्तिका "बच्चों के सीखने में परिवार की भागरीदारी–एक प्रयास" में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के द्वारा अभिभावकों के साथ चर्चा व गतिविधि करने के लिए बहुत उपयोगी सामग्री दी गयी है। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं परिषद् नई दिल्ली के सदस्य इस पुस्तिका की सभी गतिविधियों, चेक लिस्ट और फार्मेट का बेहतर इस्तेमाल करके अपने मिशन में सफलता पा सकेंगे।

मैं इस कार्य से जुड़ी परिषद् की टीम को बहुत बधाई देता हूँ। हमारी टीम का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है और शिक्षा में गुणवक्ता लाने में उपयोगी सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

**रजनीश कुमार सिंह**

निदेशक

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

**Dr. Nahar Singh**
Joint Director (Academic)

**State Council of Educational Research and Training**
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : 16/03/22

D.O. No. : F.11(2)/JDB/Misc./SCERT/2021-22/2115

## आभार

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली समग्र शिक्षा के प्रति आभारी है कि उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के क्षमता संवर्धन के लिए की गई पहल को अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

परिषद डॉ. शारदा कुमारी, प्रधानाचार्य डाइट आर.के पुरम (सेवानिवृत) व प्रो. उषा शर्मा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् को भी अपना आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति एवं अभिभावकों के लिए इस दस्तावेज़ की समीक्षा करने में अपना योगदान दिया। ।

परिषद डॉ. सुषमा यादव के प्रति हृदय से आभारी है जिन्होंने अपने खूबसूरत चित्रांकन से इस दस्तावेज़ को जीवंत कर दिया है ।

परिषद रूम टू रीड का आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस गतिविधि आधारित दस्तावेज़ की विषय-वस्तु निर्माण में सहयोग दिया| साथ ही उनकी टीम के सदस्य भारती गोयल, किरन शर्मा, शाहनवाज़ अंसारी और जयप्रकाश मिश्रा एवं प्राथमिक विद्यालयों के प्रिंसिपल, शिक्षकगण और अभिभावकों का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस दस्तावेज़ के फील्ड परीक्षण में अपना प्रमुख योगदान दिया ।

प्रकाशन विभाग को विशेष आभार जिनके सहयोग के बिना यह दस्तावेज़ आकार नहीं ग्रहण कर सकता था ।

डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त निदेशक
राज्य शै. अनु. एवं प्र. परिषद्, नई दिल्ली

# आमुख

बुनियादी शिक्षा अर्थात प्री-स्कूल से लेकर तीसरी कक्षा तक की शिक्षा बच्चों के भावी शिक्षण की नींव होती है। इसके महत्त्व को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन (निपुण भारत मिशन) की शुरुआत की है। इस मिशन का उद्देश्य 2026-27 तक कक्षा तीन तक के बच्चों को समझ के साथ पढ़ने-लिखने और बुनियादी संख्या-ज्ञान कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मिशन का एक और महत्त्वपूर्ण उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए एक ऐसे सक्षम परिवेश का निर्माण करना है, जिसमें वे सहज रूप से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें और अपनी शैक्षिक बुनियाद मजबूत कर सकें। इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो बच्चे का पहला स्कूल घर माता-पिता और बालक होते हैं और उसके बाद परिजन व शिक्षक। इस दृष्टिकोण से हर उस व्यक्ति की भूमिका बहुत अहम हो जाती है, जिनके संपर्क में बच्चे अपने प्रारंभिक वर्ष गुजारते हैं। बच्चों का व्यक्तित्व कैसा होगा यह बहुत कुछ पालन-पोषण पर निर्भर करता है।

विभिन्न शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं कि पारिवारिक परिवेश का बच्चों के विकास पर बहुत असर पड़ता है। वर्तमान परिदृश्य में माता-पिता एवं परिजन अपने रोजमर्रा के कार्यों में इतने व्यस्त होते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना उनके लिए कठिन होता जा रहा है। ऐसे में कहीं न कहीं बच्चों को अपने परिजनों विशेषकर माता -पिता से सीखने - सिखाने के लिए आवश्यक सहयोग और संबल उपलब्ध नहीं हो पा रहा हैं जबकि बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, ऐसे में ज़रूरी है कि ना केवल बच्चों बल्कि अभिभावकों को भी उचित सहयोग उपलब्ध कराए जाएँ जिससे कि वे बच्चों के भावनात्मक और शैक्षिक विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन करने में सक्षम हों।

इस कड़ी में स्कूल प्रबंधन समिति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वह पहले भी बखूबी विद्यालय और अभिभावकों के बीच में एक सेतु का काम करते आये हैं। इसी के मद्देनजर इस दस्तावेज़ के द्वारा उन्हें सशक्त करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज़ में कुछ ऐसी गतिविधियां दी गई हैं जो बड़ी ही आसानी से घर पर की जा सकती हैं। जिनके माध्यम से घर को ही एक सुरक्षित, रुचिकर और सीखने- सिखाने के उपयुक्त माहौल में बदला जा सकता है| इन गतिविधियों से बच्चे खेल-खेल में ना केवल बहुत कुछ सीख जाएंगे बल्कि बच्चों और उनके माता-पिता के बीच आपसी समझ और विश्वास भी बढ़ेगा। घर के परिवेश को सीखने -सिखाने के माहौल में परिवर्तित करने के लिए ऐसी अन्य गतिविधियां भी अपनाई जा सकती हैं।

आशा है कि हमारे विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य मिलकर एक ऐसा परिवेश बनाने के लिए काम करेंगे जहाँ बच्चे समझ पाएँ कि सीखना क्या होता है और माता-पिता/अभिभावक समझ पाएँ कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका क्या होनी चाहिए। ऐसा करके ही हम एक सभ्य और सतत सीखने वाले समाज की नींव रख सकेंगे। आशा है कि यह दस्तावेज़ 'विद्यालय प्रबंधन समिति' के सदस्यों के क्षमता संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा।

डॉ. रितिका डबास
वरिष्ठ प्रवक्ता
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली

# परिचय

बच्चों के सर्वांगीण विकास में घर-परिवार की विशिष्ट भूमिका होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इस तथ्य को रेखांकित करती है। बच्चों के सीखने के लिए घर और परिवेश में असीम अवसर उपलब्ध होते हैं जिनका फायदा उठाने के लिए उन्हें बड़ों के सहयोग और निर्देशन की जरुरत पड़ती है। ऐसे में जबकि बच्चों के बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लिए NIPUN भारत मिशन की भी शुरुआत हो चुकी है, परिवार की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

घर में माता-पिता, अभिभावक अथवा अन्य परिजन अपनी इस भूमिका का निर्वाह संपूर्ण क्षमता से कर पाएं इसके लिए उन्हें भी सहयोग और दिशा निर्देश की आवश्यकता है। प्रस्तुत दस्तावेज़ उसी दिशा में एक पहल है।

इसकी परिकल्पना कुछ ऐसे की गई है कि बच्चों के सामाजिक- मानसिक विकास और बुनियादी शिक्षा में अभिभावकों के महत्व को समझा और समझाया जा सके। इसके साथ ही बच्चों को किस तरह के सहयोग और संबल की आवश्यकता पड़ सकती है और उसके लिए क्या किया जा सकता है, इस तथ्य को भी रेखांकित करने का प्रयास किया गया है ।

रोजमर्रा की छोटी – छोटी घटनाएँ बच्चों के जीवन में बहुत महत्व रखती हैं । उन्हीं घटनाओं और परिस्थितियों से संबंधित कुछ प्रश्न उठाए गए हैं और संभावित उत्तरों की समीक्षा करते हुए घर में उचित माहौल के महत्व पर प्रकाश डाला गया है । इसी तरह बच्चों के पढ़ने लिखने की क्षमता पर परिवेश के योगदान को भी रेखांकित किया गया है और संभावित गतिविधियाँ सुझाई गई हैं जिनके द्वारा अभिभावक/माता-पिता बच्चों की बुनियादी शिक्षा में अपना योगदान दे सकते हैं ।

यह मॉड्यूल विद्यालय प्रबंधन समिति के क्षमता संवर्धन द्वारा अभिभावकों एवं माता-पिता तक यह संदेश पहुँचाना चाहता है कि उनके पास अपने वर्षों के अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर बच्चों के सीखने के विशाल संसाधन हैं जिनका उपयोग करके वे अपने परिवेश को बेहतर कर सकते हैं और अपने बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रूचिकर और उद्देशपूर्ण बना सकते हैं। यह उन्हें विचारों और समझ की एक श्रृंखला प्रदान करने का भी प्रयास करता है कि वे अपने बच्चों के विकास के लिए कैसे काम कर सकते हैं। ताकि बच्चे सीखने की सतत् प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भागीदार बन सकें।

इस पुस्तिका में मुख्यतः तीन बिन्दुओं पर चर्चा की गई है;

- बच्चों का सामाजिक एवं भावनात्मक विकास और उनके सीखने की प्रक्रिया
- बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान के सवर्धन में विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावकों का योगदान
- घर पर बच्चों के साथ की जाने वाली शैक्षिक गतिविधियाँ

इसमें प्रत्येक बिन्दु से संबंधित उद्देश्य व उन उदेश्यों को प्राप्त करने हेतू गतिविधियों का विस्तार किया गया है|

# 1. बच्चों का सामाजिक एवं भावनात्मक विकास और उनके सीखने की प्रक्रिया

| उद्देश्य | चर्चा के बिंदु | सारांश |
|---|---|---|
| सामाजिक और भावनात्मक विकास क्या है एवं बच्चे के लिए इससे जुड़ी आवश्यकताओं को समझना। | • बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक विकास को चित्रों द्वारा समझना और चर्चा करना। | • बच्चों का सामाजिक और भावनात्मक विकास उनके घर और परिवेश के माहौल पर निर्भर करता है<br>• बच्चे जैसा अपने बड़ों को करते देखते हैं वैसा ही सीखते हैं। |
| यह समझ बनाना कि बच्चे सीखते कैसे हैं। | • बच्चों के सीखने में उनकी रूचि, अवलोकन, अनुसरण, अभ्यास, रुकावटें और दूसरों के सहयोग की भूमिका पर चर्चा करें। | • बच्चे अपने बचपन से ही सीखना शुरू कर देते हैं।<br>• आवश्यकता या रूचि वाले काम को सीखने के लिए आगे बढ़ते हैं।<br>• बच्चे उसके साथ हुई घटनाओं से भी सीखते हैं ।<br>• अपने अच्छे अनुभवों से भी सीखते हैं<br>• सीखना कहीं भी और हर तरह की परिस्थितियों में संभव है। |
| सीखने में माता-पिता और सम्बंधित व्यक्तियों की भूमिका। | • कॉमिक स्क्रिप्ट प्रतिभागियों को पढ़ने के लिए दें या खुद सुनाएं। उस पर चर्चा करें कि बच्चों के सीखने में अभिभावक कैसे मदद कर सकते हैं।<br>• माता-पिता के अलावा पड़ोसी, मित्र, दादा-दादी, भाई-बहन, अध्यापक बच्चे के सीखने में कैसे मदद कर सकते हैं? चर्चा करें। | • सीखने के लिए घर में शांत माहौल बनाना एवं आवश्यक पठन लेखन सामग्री उपलब्ध करवाना महत्वपूर्ण है।<br>• बच्चों को छोटे-छोटे कौशल आसपास की चीज़ों और दैनिक जीवन के उदाहरण से समझाया जा सकता है।<br>• बच्चों को सोचने, तर्क करने और अपनी राय बताने का अवसर दिया जाना चाहिए। |

## गतिविधि 1: पारिवारिक परिवेश का महत्व मिनट -

**उद्देश्य: सामाजिक और भावनात्मक विकास क्या है एवं बच्चे के लिए इससे जुड़ी आवश्यकताओं को समझना|**

**नीचे दिए गए चित्र 1 और 2 को देखें और उन पर चर्चा करें|**

**चर्चा के प्रश्न**

- दोनों चित्रों को देखें और बताएँ कि चित्रों को देख कर आपको कैसा अनुभव हो रहा है?
- आपको क्या लगता है चित्र 1 और चित्र 2 में अभिभावकों के बर्ताव से बच्चों के व्यवहार में क्या अंतर आ सकता है?
- आप इन बच्चों के माता-पिता से इस विषय में क्या कहना चाहेंगे?
- घर पर बच्चों की पढ़ाई ज़ारी रखना कितना आवश्यक है और उन्हें सीखने का सही माहौल न मिलने पर उनके स्वभाव और सीखने पर क्या असर होगा?

### निष्कर्ष / समझ बनाना

- जन्म के कुछ समय बाद से ही बच्चों में सभी प्रकार के संवेग/ भाव (जैसे - क्रोध, जलन, उत्सुकता, दुख और प्रेम) का विकास होने लगता है और इन सभी का प्रभाव उनके सीखने और समझने की क्षमता पर भी पड़ता है|
- शुरुआती समय में बच्चों का भावनाओं पर नियंत्रण कम होता है, पर जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं वैसे-वैसे दूसरों को देखकर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना सीखने लगते हैं|
- बच्चों में मानसिक तनाव के कई कारण बताए गये हैं| जिनमें प्रमुख हैं-स्कूल के वातावरण में घुलना-मिलना, स्वास्थ्य समस्याएँ, पारिवारिक समस्याएँ सीखने में असफलता, आसपास के माहौल तथा माता -पिता के बर्ताव इन सभी का उन पर गहरा असर हैं|
- पिछले दो सालों से बच्चे घर में बंद है, उनके खेल पर पाबंदियाँ लगी हुई हैं और विद्यालय से वे काफी दूर हैं| बच्चें अब ज़्यादा समय अपने घर में माता-पिता, भाई-बहन के साथ ही बिता रहे हैं और घर में जैसा माहौल देख रहे हैं वैसे ही प्रभाव उनके स्वभाव में देखने को मिले रहे हैं|

## गतिविधि 2: बिंगो खेल: क्या करते क्या नहीं। मिनट -

**उद्देश्य: गतिविधि से समझना कि अभिभावकों को कौन- कौन से काम अपने बच्चों के साथ करने चाहिए, जिससे उनकी सामाजिक एवं भावनात्मक विकास और उनके सीखने की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहे|**

नीचे दिए कामों में से आप अपने बच्चों के साथ क्या-क्या करते हैं, उन पर सही का चिह्न लगाये|

| | | |
|---|---|---|
| मैं बच्चों की बातें ध्यान से सुनता/सुनती हूँ । 1 | मैं बच्चों को आसपास की चीज़ों एवं परिवेश (जैसे बाज़ार, पार्क, रेलवे स्टेशन आदि) को समझने में मदद करता/करती हूँ| 2 | मैं हर दिन बच्चों को जो स्कूल से काम मिलता है उसे करने में मदद करता/करती हूँ| 3 |
| मैं बच्चों को जिस बुरी आदत के लिए मना करती/करता हूँ उसे अपने ऊपर भी लागू करता/करती हूँ| 4 | मैं बच्चों का दोस्त बन कर रहता/रहती हूँ और उन्हें उनकी बात बिना डरे कहने का मौका देता /देती हूँ| 5 | मैं अपने बच्चों के व्यवहार और उसमें हो रहे बदलावों को समझता/समझती हूँ| 6 |
| मैं घर में ऐसा कोई अनुचित व्यवहार नहीं करता/करती हूँ, जिससे बच्चों पर बुरा असर हो और अपनी गलती होने पर बच्चों के सामने उसे स्वीकार भी करता/करती हूँ| 7 | मैं बच्चों की इच्छाओं का ध्यान रखता/रखती हूँ और उन्हें अपनी पसंद के काम करने की अनुमति देता/देती हूँ जो उनके लिए आवश्यक हैं| 8 | मैं बच्चों की पढ़ाई में हो रही प्रगति जानने के लिए नियमित रूप से उनके शिक्षकों के संपर्क में रहता / रहती हूँ। 9 |

ध्यान रखें।
जिन कार्यों पर आपने निशान नहीं लगाया और जो कार्य आप अभी नहीं करते हैं, सोचिये आप उन्हें कब से शुरू करना चाहेंगे?

## गतिविधि 3: बच्चे कैसे सीखते हैं। मिनट - ?

**उद्देश्य: बच्चों के सीखने में उनकी रूचि, अवलोकन, अनुसरण, अभ्यास, रुकावटें और दूसरों के सहयोग की भूमिका को समझना।**

चर्चा के प्रश्न

आपको कौन-कौन से काम करना पसंद है?
उदाहरण के लिए - आपको साइकिल चलाना/ खाना बनाना आता है?
यदि हाँ! तो आपने इस कौशल को कैसे सीखा था?

- रूचि/आवश्यकता: आपने साईकिल चलाना/ खाना बनाना क्यों सीखा?
- अवलोकन: इस काम को सीखते समय आपने किन-किन चीज़ों/बातों का अवलोकन किया और उन्हें समझने का प्रयास किया?
- अनुसरण: अनुसरण करते समय किन बातों का ध्यान रखा?
- अभ्यास: इस काम को सीखने के लिए आपने कितनी बार प्रयास किया?
- रुकावटें: इस काम को सीखने में आपको क्या दिक्कतें/परेशानियाँ आई?
- सहयोग: जब रुकावटें आई तो आपकी किसने और कैसे मदद की?

### निष्कर्ष / समझ बनाना

- बच्चे में किसी काम को सीखने के लिए रूचि/ आवश्यकता होनी चाहिए।
- बच्चे कुछ भी देखकर, सुनकर, छूकर, चर्चा करके और बार-बार अभ्यास करने से सीखते हैं।
- बच्चे कार्य के दौरान अपने अच्छे या बुरे अनुभवों से भी सीखते हैं।
- अगर बच्चों को किसी का सहयोग मिले तो वे कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में सीख सकते हैं।

## गतिविधि 4: कॉमिक स्ट्रिप मिनट - ?

**उद्देश्य: कॉमिक स्ट्रिप के माध्यम से बच्चों के सीखने में अभिभावकों की भूमिका को समझना**

**नीचे दी गई कॉमिक स्क्रिप्ट प्रतिभागियों को पढ़ने के लिए दें या खुद सुनाएँ और उस पर चर्चा करें|**

पढ़ें / सुनाएं

**घर का दृश्य**

**पापा** *(काम से वापस आकर)*- रिंकी आज तुमने घर पर क्या-क्या किया?

**विक्की-** बस स्कूल का होमवर्क और टीवी पर कार्टून चैनल देखा था|

**पापा-** चलो आज हम एक खेल खेलते हैं| आज हम एक धुन बनाते हैं|

**विक्की-** पर हमारे पास तो कोई बाजा ही नहीं है| फिर कैसे होगा?

**पापा-** अभी देखो जादू से कैसे संगीत बनाते हैं|

*पापा थोड़ी देर बाद अपने साथ घर की कुछ चीज़ें लाये जैसे 1थाली, 1चम्मच, कुछ चूड़ियां और 1जोड़ी बेलन-चकला।*

**विक्की-** पापा आप इनसे क्या करने जा रहे हैं? हमें संगीत बनाना है, कोई खाना नहीं!

**पापा-** बेटा अभी रुको तो सही, तुम्हें सब समझ आ जायेगा। देखो हम थाली से टन-टन, चूड़ियों से खन-खन और चकला-बेलन से टक-टक की आवाज़ निकालेंगे|

**विक्की-** अरे वाह! पापा, ये तो संगीत की धुन बन गयी!

फिर पूरे परिवार ने मिलकर एक धुन बनायी वो थी-

टन टना टन टन... टन टना टन टन

टक टका टक टक... टक टका टक टक
खन खना खन खन... खन खना खन खन

*बाद में विक्की ने ये धुन अपने दोस्तों को भी सिखाई ...*

चर्चा के प्रश्न

- **इस कहानी की तरह क्या आपने भी अपने बच्चों के साथ ऐसी कोई गतिविधि करवाई है?**
- **क्या इस तरह की गतिविधि कराने से घर पर बच्चों के सीखने का वातावरण बनता है और कैसे?**

## गतिविधि 5: परिवेश में बच्चों के शिक्षक मिनट - ?

**उद्देश्य: सीखने में माता-पिता और अलग अलग व्यक्तियों की भूमिका।**

चर्चा के प्रश्न

माता पिता के अलावा और कौन-कौन से लोग हो सकते हैं जो बच्चे के सीखने में मदद करते हैं?

- पड़ोसी: *बच्चों को बात-चीत करने और अलग-अलग व्यवहार को समझने में मदद करते हैं।*
- *मित्र: बच्चे मित्र से मिलकर काम करना, मदद करना, चीज़ें साझा करना, खेल-नियम, अपना-पराया जैसी बातें सीखते हैं।*
- *दादा-दादी: जब दादा-दादी बच्चों को घर में कहानी सुनाते हैं या अपने पुराने किस्से, कहानी या अनुभव बताते हैं तो बच्चे उससे भी सीखते हैं।*
- *अध्यापक: बच्चे अध्यापक से दूसरों का आदर करना, अनुशासन, संयम, व्यवहार, समय पर कार्यों को करना, नैतिकता आदि सीखते हैं।*
- *भाई-बहन: एक दूसरे से सीखना, भाषा की समझ, खेल-खेल में सीखना आदि*
- *संबंधी: भाषिक सामाजिक कौशल सीखने में मदद करते हैं।*

### निष्कर्ष / समझ बनाना

- बच्चों के सीखने में जितनी भूमिका शिक्षक और अभिभावक की होती है उतनी ही भूमिका उनके संपर्क में आने वाले परिवार के सदस्यों और दोस्तों की भी होती है।

## गतिविधि 6: बिंगो खेल: क्या करते, क्या नहीं! मिनट - ?

**उद्देश्य: गतिविधि से समझना कि अभिभावकों को कौन- कौन से काम अपने बच्चों के साथ करने चाहिए, जिससे उनके सामाजिक एवं भावनात्मक विकास और उनके सीखने की प्रक्रिया सतत् रूप से चलती रहे।**

नीचे दिए कामों में से आप अपने बच्चों के साथ क्या-क्या करते हैं, उन पर ✓ का चिह्न लगाएं।

| | | |
|---|---|---|
| मैं बच्चों को सीखने के लिए पर्याप्त रोशनी और शांत जगह देता/देती हूँ, एवं पढ़ाई के समय टीवी बंद करता/करती हूँ। 1 | मैं बच्चों को प्यार से समझाता/समझाती हूँ कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत है। 2 | मैं बच्चों के सीखने में होने वाली कठिनाई को पहचान कर उनकी मदद कर सकता/ सकती हूँ। 3 |
| मैं बच्चों की पढ़ाई संबंधी आवश्यक ज़रूरतों को पूरा करने की कोशिश करता/करती हूँ। 4 | मैं बच्चों में प्रतिभा (जैसे पेंटिंग, गाना, कोई अन्य कला) को पहचानता/ती हूँ और उसमे सहयोग देता/देती हूँ। 5 | मैं बच्चों के साथ खेल गतिविधियों में हिस्सा लेता/लेती हूँ। 6 |
| मैं बच्चों के साथ कोई बुरा व्यवहार न करे, इस बात का हमेशा ध्यान रखता/ रखती हूँ। 7 | मैं हमेशा बच्चों को पौष्टिक भोजन देने का प्रयास करता/करती हूँ। 8 | मैं बच्चों को सभी का आदर करना और जीवन में अनुशासन से जुड़ी बातें सिखाता/ सिखाती हूँ। 9 |

ध्यान रखें।
जिन कार्यों पर आपने निशान नहीं लगाया और जो कार्य आप अभी नहीं करते हैं, सोचिये आप उन्हें कब से शुरू करना चाहेंगे?

**2 : बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के संवर्धन में विलय प्रबंधन समिति और अभिभावकों का योगदान**

| उद्देश्य | चर्चा के बिंदु | सारांश |
|---|---|---|
| **शुरुआती दौर में बच्चे की बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के महत्व को समझना।** | - सीखना कहीं भी संभव हो सकता है, 'बाज़ार' चित्र द्वारा समझना और चर्चा करना।<br>- NIPUN भारत मिशन के अनुसार बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान। | - यदि बच्चों से नियमित रूप से सामान्य चर्चा की जाए तो उनमें बुनियादी भाषा और संख्या ज्ञान से जुड़े सभी प्रकार के कौशल धीरे धीरे विकसित होने लगेंगे।<br>- NIPUN भारत मिशन 2026-27 तक बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसमें सभी की भूमिका अहम है। |
| **बच्चों से जुड़े बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सरल तरीकों से घर पर सिखाने में माता-पिता और अलग अलग व्यक्तियों की भूमिका ।** | - चित्रों के द्वारा बच्चों के सीखने में 'आवश्यक सहयोग या सहारा' के अर्थ को समझना।<br>- ऐसे कार्य जो बच्चे स्वयं सीख लेते हैं और कुछ अपने अभिभावकों, शिक्षक एवं दोस्तों की मदद से सीखते हैं?<br>- कॉमिक स्क्रिप्ट द्वारा समझना कि बच्चे कहाँ, कब और कैसे सीख रहे हैं? | - बच्चे बचपन से ही सीखना शुरू कर देते हैं। यदि उन्हें परिवार, शिक्षक, अभिभावक और मित्रों का सही समय पर आवश्यक सहारा / सहयोग मिल जाए तो उनके सीखने का सफ़र और आसान हो जाता है।<br>- ये समझाना कि बच्चे हर जगह सीख रहे होते हैं जैसे रसोई में जब खाना बनता है, बच्चे कबाड़ से कुछ बना रहे हों, पौधे लगाने या बड़ों के साथ बात-चीत का हिस्सा बनकर। |
| **प्रशिक्षण में हुई चर्चा के आधार पर प्रतिभागियों द्वारा उनकी समझ का स्व-आकलन करना।** | - आपके हिसाब से आप बच्चों के साथ कौन से काम करते हैं उन पर सही चिह्न लगाएं। | - शीट में प्रतिभागी देखें कि ऐसे कौन कौन से काम हैं जो वे अपने बच्चों के साथ करते हैं और जो नहीं करते हैं उन्हें करने की योजना बनाएँ। |

## गतिविधि 1: बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिनट - ?

**उद्देश्य :शुरुआती दौर में बच्चे दवारा बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान सीखने के महत्व को समझना।**

**नीचे दिए गए चित्र को देखें और चर्चा करें।**

चर्चा के प्रश्न

- यह कहाँ का चित्र हैं?
- इस चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है और लोग यहाँ क्या कर रहे हैं?
- इस चित्र में कुल कितने लोग नज़र आ रहे है?
- इस चित्र में कितने लोग सब्ज़ी बेच रहे हैं?
- क्या आप बाज़ार गए हैं? यदि हाँ, तो आपने वहाँ क्या-क्या देखा था?

### निष्कर्ष/समझ बनाना

- आप इन सभी प्रश्नों के उत्तर दे सके क्योंकि, हमें इन सब चीज़ों की जानकारी और अनुभव पहले से ही था।
- इस प्रकार की सामान्य चर्चा यदि बच्चों से नियमित की जाए तो उनमें बुनियादी भाषा और संख्या ज्ञान से जुड़े सभी प्रकार के कौशल धीरे-धीरे विकसित होने लगेंगे।

# NIPUN भारत मिशन के अनुसार बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान

NIPUN BHARAT

## बुनियादी साक्षरता

### मौखिक भाषा विकास

ज़रूरतों और परिवेश के बारें में दोस्तों, शिक्षकों, परिवार से चर्चा/ कविता- बालगीत हाव- भाव के साथ गाना या सुनाना/ सवाल करना एवं तर्क के साथ जवाब देना

### लेखन

पेन्सिल घसीटना / चित्र बनाना/ शब्द के पहले अक्षर को पहचानकर लिखना/ शब्दों और चित्रों से वाक्य लिखना/ वाक्यों में विराम चिह्नों का प्रयोग कर स्वतंत्र लेखन

### पढ़ना

चित्रों की मदद से बाल कहानी पढ़ना/ अक्षर- ध्वनियों, शब्दों को पहचानना/प्रिंट- सामग्री की समझ/ शब्दों और चित्रों से वाक्य बनाना/ वर्णन करना/ धाराप्रवाह पढ़ना

## बुनियादी संख्या ज्ञान

वस्तुओं को गिनना, अंकों से मिलान कर पहचानना/

आकार या आकृति की पहचान/

छोटा-बड़ा, हल्का-भारी, लम्बा-चौड़ा, कम-ज़्यादा, आगे-पीछे, दाएँ–बाएँ में तुलना करना/

पैटर्न बनाना/

दैनिक घटनाओं से जुड़े जोड़-घटा के सवाल/

अमानक या मानक इकाइयों से मापन/

समय की इकाइयों (घंटे, दिन, वार, सप्ताह, माह, वर्ष आदि) की समझ आदि

## गतिविधि 2: बच्चों को सिखाने में उनके परिवार, शिक्षक, अभिभावक और मित्रों की भूमिका।

**मिनट - ?**

**उद्देश्य: बच्चों से जुड़े बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सरल तरीकों से घर पर सिखाने में माता-पिता और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका |**

**नीचे दिए गए चित्र 1 और 2 को देखें और उन पर चर्चा करें।**

**चित्र 1**

**चर्चा के प्रश्न**

**चित्र-1 कहाँ का है और इस चित्र में क्या हो रहा है?**

**चित्र 2**

**चर्चा के प्रश्न**

**चित्र-2 में क्या हो रहा है?**

- **क्या आपको दोनों चित्रों में कोई समान बातें नज़र आ रही हैं?**
- **बच्चों की शिक्षा/ सीखने में आवश्यक सहयोग या सहारा देने से आप क्या समझते है?**

### निष्कर्ष / समझ बनाना

- बच्चे बचपन से ही सीखना शुरू कर देते हैं। यदि बच्चों को परिवार, शिक्षक, अभिभावक और मित्रों का सही समय पर आवश्यक सहारा/सहयोग मिल जाए तो उनके सीखने का सफ़र और आसान हो जाता है।
- ये समझना कि बच्चे हर जगह सीख रहे होते हैं जैसे रसोई में जब खाना बनता है, बच्चे कबाड़ से कुछ बना रहे हों, पौधा लगाने या बड़ों के साथ बात-चीत का हिस्सा बनकर।

## गतिविधि 3: बच्चों के सीखने में आवश्यक सहयोग या सहारा का अर्थ मिनट - ?

**उद्देश्य: बच्चों से जुड़े बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सरल तरीकों से घर पर सिखाने में माता-पिता और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका |**

**नीचे दिए गए चित्र के अनुसार शुरुआती दौर में ऐसे कौन-कौन से कार्य हैं जो बच्चे स्वयं सीख लेते हैं और कौन से अपने अभिभावकों, शिक्षकों एवं दोस्तों की मदद से सीखते हैं?**

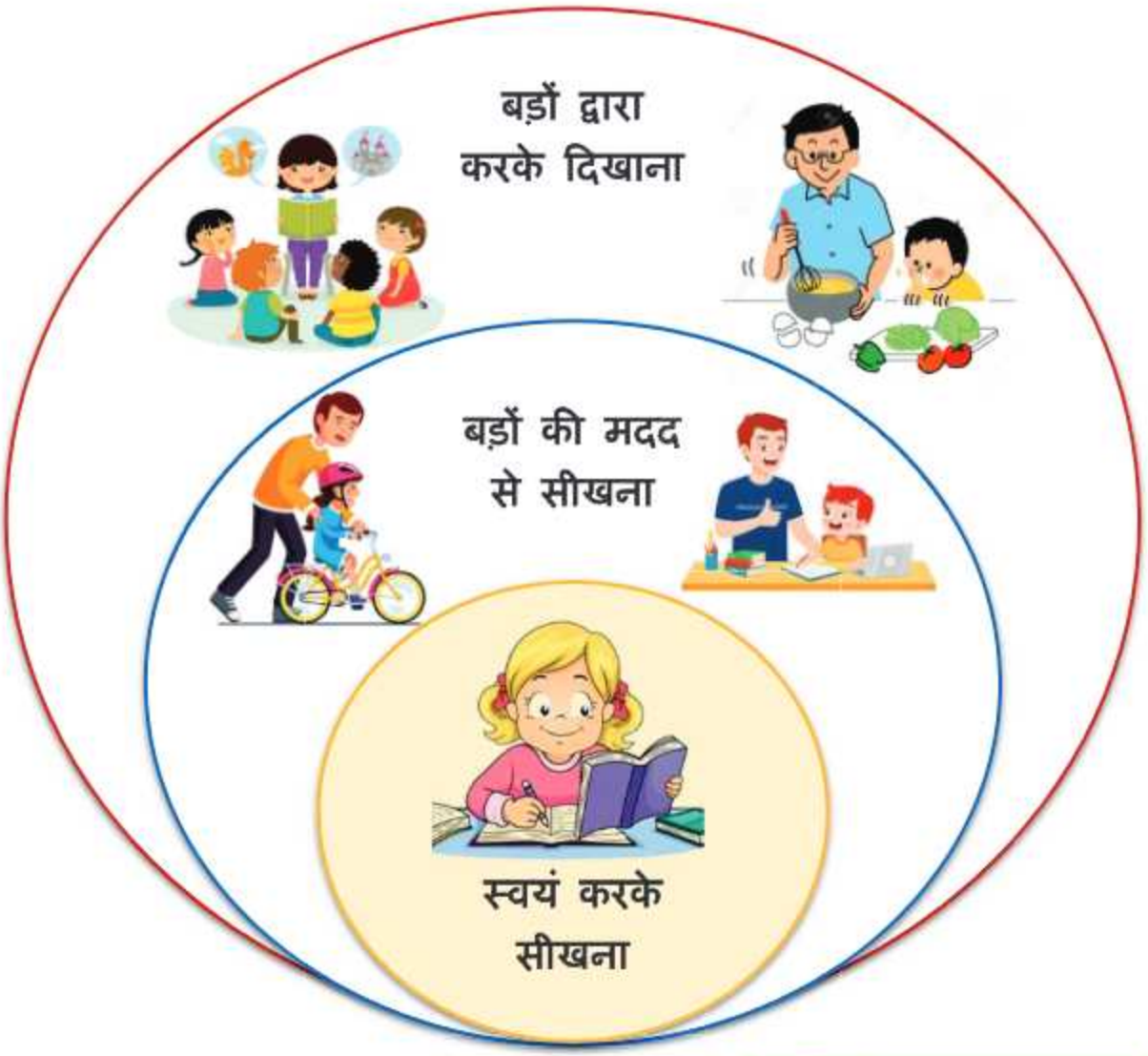


### निष्कर्ष/समझ बनाना

- जब बच्चे कुछ नया सीख रहे होते हैं तब उन्हें शिक्षक/ अभिभावक/ अन्य बड़ों के अधिक सहयोग की ज़रूरत होती है| जैसे-जैसे बच्चे उस कार्य को सीखते जाते हैं वैसे-वैसे अभिभावक/ अध्यापक को सहयोग कम कर देना चाहिए और उसे खुद से करने के लिए प्रेरित करना चाहिए|
- जब बच्चे किसी कार्य को खुद से सीखते हैं तब उन्हें सहज वातावरण तो प्राप्त होता ही है साथ-साथ बच्चे में सीखने का उत्साह भी बढ़ता जाता है और वे मानसिक तनाव से भी दूर रहते हैं|

## गतिविधि 4: कॉमिक स्ट्रिप मिनट - ?

**उद्देश्य: बच्चों से जुड़े बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सरल तरीकों से घर पर सिखाने में माता-पिता और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका |**

पढ़ें / सुनाएं

नीचे दी गई कॉमिक स्क्रिप्ट प्रतिभागियों को पढ़ने के लिए दें या खुद सुनाएं और उस पर चर्चा करें कि बुनियादी कौशल सीखने में अभिभावक कैसे मदद कर सकते हैं|

घर का दृश्य

अंजू – पापा बाजार से मेरे लिए क्या लाए हो *(जल्दी से थैला अपने हाथ में ले लिया)|*

पापा- तुम ही देखकर बताओ इसमें क्या-क्या है?

अंजू- अरे! इसमें तो बहुत सारी सब्ज़ियाँ हैं| इनमे से कुछ सब्ज़ियों पर तो मिट्टी लगी है!

पापा– हाँ अंजू! तुम्हे पता है कौन सी सब्ज़ी ज़मीन के ऊपर उगती है और कौन-सी नीचे?

अंजू- नहीं पापा ! क्या सब्ज़ियाँ ज़मीन के नीचे भी उगती हैं?

पापा- हाँ- हाँ बिलकुल उगती हैं| गाजर, मूली, अदरक और शलजम आदि ये सारी सब्ज़ियाँ ज़मीन के नीचे उगती हैं|

अंजू- ओह अच्छा!! तो ज़मीन के ऊपर गोभी, मटर, टमाटर, आलू उगते हैं|

पापा- हाँ! पर आलू तो ज़मीन के नीचे उगता है|

पापा- अंजू आज तुमने ज़मीन के ऊपर और नीचे उगने वाली सब्ज़ियाँ के बारे में जाना| क्या तुम अब उन सब्ज़ियों के चित्र बना सकती हो?

अंजू –हाँ-हाँ बिल्कुल.. *(बहुत ख़ुशी के साथ)*

*अब अंजू ने कुछ फल और सब्ज़ियों के चित्र भी बनाए और उसमें अपने मनपसंद रंग भर कर सबको दिखाए |*

चर्चा के प्रश्न

- इस कहानी में आपको कौन-कौन सी बातें ठीक लगीं और क्यों?
- क्या आप भी घर पर बच्चों से इस तरह की चर्चा करते हैं, कोई एक उदाहरण देकर बताएं?

## गतिविधि 4: घर में सीखने के अवसर मिनट - ?

**उद्देश्य: बच्चों से जुड़े बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान को सरल तरीकों से घर पर सिखाने में माता-पिता और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका |**

**नीचे दिए गए चित्र को देखें और उन पर चर्चा करें |**

**जब घर में खाना बनता देख रहे हों और फिर इस प्रक्रिया को माँ अपने शब्दों में बता रही हो?**

**जब बच्चे घर में पड़े कबाड़ से कुछ नई चीज़ बना रहे हों?**

**जब बच्चे घर या आसपास पौधे लगाते हैं, उन्हें समय-समय पर पानी देते हैं और उनका ध्यान रखते हैं?**

**जब घर के बड़े, बच्चों को अपनी चर्चा का हिस्सा बनाते हैं और सोचकर, तर्क के साथ अपनी बात रखने का अवसर देते हैं?**

---

**चर्चा के प्रश्न**

- चित्रों और वाक्यों को पढ़कर आपको क्या लगता है बच्चे कहाँ और कब-कब सीखते हैं? और कैसे?
- क्या इस प्रकार की आसान बातें अभिभावकों के साथ साझा कर हम बच्चों का सीखना घर में भी जारी रख सकते हैं?

### निष्कर्ष/समझ बनाना

- बच्चों में अवलोकन करना, तुलना करना, चीज़ों को गिनना, जोड़ना, कम-ज़्यादा करना, पूर्व ज्ञान का उपयोग करके तर्क करने, विश्लेषण करने, जैसी क्षमताएँ घर–परिवेश के माहौल में सहज ही आने लगती हैं|
- इन क्षमताओं का उपयोग बच्चे भाषा और संख्या ज्ञान सीखने में करते हैं|

## गतिविधि 5: क्या करते क्या ना करते मिनट - ?

**उद्देश्य: प्रशिक्षण में हुई चर्चा के आधार पर प्रतिभागियों द्वारा उनकी समझ का स्व-आकलन करना।**

आप बच्चों के साथ कौन से काम करते हैं- पहले कॉलम में सही ( ✓ ) टिक लगायें और जो नहीं करते दूसरे कॉलम ( ✓ ) में टिक लगाए।

| क्या आप ऐसा करते हैं? | 👍 | 👎 |
|---|---|---|
| रहीम अपनी बेटी को सीखने का उपयुक्त वातावरण देता है। | | |
| पंकज अपने बच्चों से सिर्फ उनकी किताबों से जुड़ी चीजों पर ही चर्चा करता है। | | |
| अंकित अपनी बेटी को कहानी समझने की जगह रट-रट कर याद करने के लिए कहता है। | | |
| कोई समस्या आने पर धीरज बच्चों के काम स्वयं करने लगता है। | | |
| डेविड का मानना है कि बच्चे का सीखना स्कूल द्वारा दी गई सामग्री पर ही निर्भर होता है। | | |
| सलमा अपने बच्चे को सोचकर, तर्क के साथ अपने बात रखने का अवसर देती है। | | |
| राज बच्चों के ना पढ़ने पर उनकी पिटाई करता है। | | |
| अबेम अपने बच्चों द्वारा किये गए काम को पूरा करने पर उन्हें शाबाशी देती है। | | |
| शीला बच्चों के साथ रोज़मर्रा की घटनाओं पर चर्चा करती है। जैसे - आज बाज़ार से क्या लाए?, कितने का लाए?, आज कौन सा दिन या त्योहार है? इसे कैसे मनाते हैं? इत्यादि । | | |
| मोहित बच्चों को गणित के सवाल दैनिक जीवन की घटनाओं के उदाहरण से सिखाता है। जैसे - 1 दर्जन केले 40 रूपए के तो आधा दर्जन 20 रूपए के। | | |
| गुरमीत बच्चों को स्वयं करके सीखने की स्वतंत्रता देती है और जहाँ कठिनाई आती है वहाँ मदद करती है। | | |
| रमा बच्चों को भाषा और गणित घर और आस-पास की चीजों से सिखाती है। | | |
| रानी बच्चों को पुस्तकालय और उनके पाठ की कहानियों को सुनाती है। | | |

## 3: घर पर बच्चों के साथ की जाने वाली शैक्षिक गतिविधियाँ

| उद्देश्य | चर्चा के बिंदु | सारांश |
|---|---|---|
| किस तरह अभिभावक सामान्य चर्चाओं द्वारा बच्चों के मौखिक भाषा विकास पर काम कर सकते हैं। | गतिविधि-1: बीते कल के किस्से<br>गतिविधि-2: एक कहानी<br>गतिविधि-3: गीत गाएँ ख़ुशी मनाएं | • अभिभावकों के पास बच्चों से चर्चा करने के बहुत सारे तरीके एवं गतिविधियाँ हैं, जिनके द्वारा वे बच्चों को तर्क के साथ अपनी बात कहने और किसी घटना को क्रम से समझने में मदद कर सकते हैं। |
| घर के अन्दर उपलब्ध संसाधनों को किस प्रकार बच्चों के सीखने की प्रकिया से जोड़ा जा सकता है। | गतिविधि-1: रसोई में क्या है?<br>गतिविधि-2:आज क्या बना है?<br>गतिविधि-3:कैसी-कैसी सब्ज़ियाँ? | • घर में उपलब्ध संसाधनों और अभिभावकों द्वारा की जा रही गतिविधियों से बच्चों को सीखने के अवसर देना। |
| घर के बाहर और आस-पास उपलब्ध संसाधनों से सीखना। | गतिविधि-1: हमारे मददगार<br>गतिविधि-2: चलो बाज़ार चलें<br>गतिविधि-3: नक्शा बनाओ | • घर के बाहर और आस-पास हो रही घटनाओं को देखना, समझना और उन्हें अपने रोज़ की चर्चा में शामिल करना। |
| बच्चे अपनी इन्द्रियों और शारीरिक अंगों का प्रयोग कर कैसे नई चीज़ों को सीख सकते हैं। | गतिविधि-1: देखना मना है।<br>गतिविधि-2: सुगंध, स्पर्श, स्वाद<br>गतिविधि-3: आओ खेलें। | - किसी भी काम को करने और नई चीजों को सीखने में इन्द्रियों और शारीरिक अंगों के साथ अवसर व इच्छा शक्ति की अहम् भूमिका है। |

## गतिविधि 1: घर पर शाम की बैठक के चर्चा के विषय मिनट - ?

**उद्देश्य 1. यह समझ बनाना कि अभिभावक सामान्य चर्चाओं द्वारा बच्चों के मौखिक भाषा विकास पर काम कर सकते हैं|**

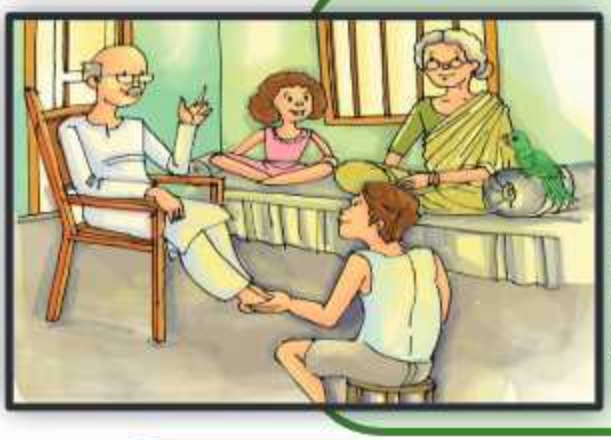

### बीते कल के किस्से

हम सभी की ज़िन्दगी के बहुत से ऐसे किस्से हैं जो रोचक भी हैं और अनुभव से भरे हुए भी| तो क्यों न हम अपने जीवन के अनुभव अपने परिवार के साथ बाँटे|
हम सभी बारी-बारी से अपने साथ घटी घटनाओं को अपने परिवार को किस्से के रूप में सुना सकते है| ये गतिविधि शाम की बैठक का अहम् हिस्सा हो सकती है|

### एक कहानी

कहानियाँ सभी को बहुत अच्छी लगती हैं| एक अच्छी कहानी बहुत कुछ सीखने में मदद करती है| अपने परिवार में कहानियाँ सुनना और सुनाना बड़ा रोचक अनुभव देगा|

- हर दिन शाम की बैठक में एक कहानी सुनी और सुनाई जा सकती है| वे कहानियाँ जो हमने कहीं सुनी हो या पढ़ी हो|
- कहानी सुनाते समय दो रोचक गतिविधियाँ की जा सकती हैं-
    - कहानी को बीच में रोक कर बाकी सदस्यों से कहानी को आगे बढ़ाने को कहा जा सकता है|
    - पूरी कहानी सुनाने के बाद सभी से उस कहानी का अंत बदलने को कहा जा सकता है|

### गीत गाएँ ख़ुशी मनाये

- हर दिन शाम की बैठक में परिवार के सभी लोग मिलकर कोई एक गीत गा सकते हैं|
- गाने के लिए कोई भी गीत चुना जा सकता है| कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं-
    - त्योहारों के गीत
    - शादी, जन्मदिन या किसी खास अवसर के गीत
    - अपने रीति-रिवाज़ो से जुड़े गीत इत्यादि

## गतिविधि 2: घर के अंदर करने वाली गतिविधियाँ मिनट - ?

**उद्देश्य: यह समझ बनाना कि घर के अन्दर उपलब्ध संसाधनों को किस प्रकार बच्चों के सीखने की प्रकिया से जोड़ा जा सकता है|**

### रसोई में क्या है?

- कौन सा सामान कहाँ पर रखा है?
- कौन सा सामान खुले डिब्बे में रखा है और कौन सा बंद डिब्बे में? और क्यों?
- कौन सा बर्तन किस चीज़ से बना है, मिट्टी के बर्तन कौन से हैं और लोहे या एल्युमीनियम का कौन सा?
- चूल्हा ऐसा ही क्यों बना है? चूल्हे में ईंधन के लिए क्या इस्तेमाल होता है?

### आज क्या बना है?

आज हम बच्चों के साथ मिलकर भोजन बनाने को समझेंगे| उसके लिए आज जो बनने वाला है उसमें से किसी चीज़ जैसे- दाल, सब्जी या रोटी/चावल को बनाने की विधि समझने के लिए सब कुछ शुरू से देखेंगे| जैसे दाल बनाने के लिए-

- पहले दाल बर्तन में ली | कितनी ली? उसके बाद दाल को पानी से धोया| क्यों धोया?
- फिर दाल में पानी डाला| क्यों डाला? इत्यादि

### कैसी-कैसी सब्ज़ियाँ?

कौन सी सब्जी ज़मीन के नीचे होती है, कौन सी ज़मीन के ऊपर, कौन सी पेड़ों पर और कौन सी लता पर होती है?

- ज़मीन के ऊपर
- ज़मीन के नीचे
- लताओं/ बेल पर

## गतिविधि 3: घर के बाहर करने वाली गतिविधियाँ मिनट - ?

उद्देश्य: **घर के बाहर और आस- पास उपलब्ध संसाधनों से सीखना|**

### हमारे मददगार

क्या हम अपने आस-पास के लोगों के बारे में यह जानते हैं कि कौन क्या काम करता है और कैसे करता है? तो चलिए हम सब मिलकर यह जानने और समझने की कोशिश करते हैं| हमने आस-पास कुछ लोगों को काम करते देखा होगा-

- दर्ज़ी/सिलाई वाला/ सिलाई वाली
- सफाई कर्मचारी
- मोची
- हलवाई
- चिकित्सक
- पुलिस
- टीचर

### चलो बाज़ार चलें

बाज़ार बड़ी रोचक जगह है| यहाँ बहुत सारे लोग बहुत सा सामान लेने आते हैं| यहाँ हम बच्चों के साथ मिलकर होने वाले काम को समझने का प्रयास कर सकते हैं| इसके लिए बहुत से काम किए जा सकते हैं जैसे बच्चों को बताएं बाज़ार में क्या-क्या मिलता है; दुकानदार कैसे सामानों को बेचता है; वजन कैसे करते हैं इत्यादि

### नक्शा बनाओ

हम बच्चों के साथ मिलकर एक नक्शा बनाने की कोशिश कर सकते हैं| यह नक्शा हमें बताएगा कि हमारे घर से-

- स्कूल जाने का रास्ता कैसा है|
- पास की दुकान तक जाने का रास्ता कैसा है|
- पास के स्वास्थ्य केंद्र जाने का रास्ता कैसा है|
- रास्ते में जाते समय दाईं ओर और बाईं ओर कौन-कौन सी चीज़ें हैं?

## गतिविधि 5: हमारे संवेदी अंग मिनट - ?

**उद्देश्य: बच्चे अपनी इन्द्रियों और शारीरिक अंगों का प्रयोग कर नई चीज़ों को सीख सकते हैं|**

### देखना मना है

आवाज़

बच्चों के साथ हर रोज़ या हफ्ते में 2-3 दिन शाम को किसी एक जगह पर थोड़ी देर के लिए आँखें बंद कर के बैठ सकते हैं और आस-पास हो रही आवाज़ों के बारें में चर्चा करें|

- किन-किन चीजों की आवाज़ आ रही थी?
- कौन सी आवाज़ पास से आई और कौन सी दूर से?
- कौन सी आवाज़ किस की थी?
- कौन सी आवाज़ें तेज़ थीं और कौन सी बहुत धीरे?

### (ii) सुगंध, स्पर्श, स्वाद

हम बच्चों के साथ मिलकर कुछ चीज़ें इकट्ठी करें जैसे- अलग-अलग मसाले, अलग-अलग अनाज, कंकड़, पत्ते, फूल, मिट्टी के खिलौने आदि| फिर एक बार हम अपनी आँखों पर और फिर अगली बार बच्चे की आँखों पर पट्टी बांध दें| जिसकी आंख पर पट्टी बंधी होगी वो उस सामान को सूंघ कर पहचाने, छू कर पहचाने, चख कर पहचाने इत्यादि|

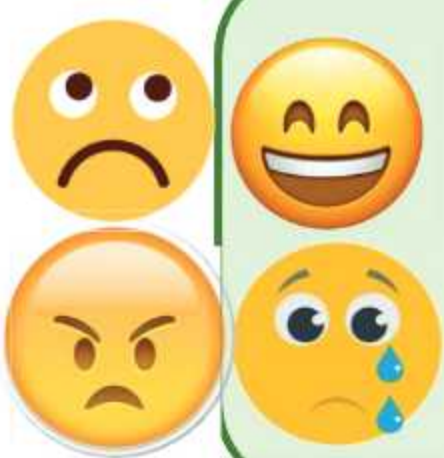

### आओं खेले

हम बच्चों के साथ मिलकर चेहरे के हाव – भाव पर खेल खेलें| जैसे;-

- एक बोलने पर हँसना है|
- दो बोलने पर गुस्सा करना है|
- तीन बोलने पर रोना है|
- चार बोलने पर उदास होना

ऐसे ही अलग-अलग गिनती बोलनी है और इस खेल को जारी रखना है|

# 2022 मार्च

**आओ अलग-अलग पेड़, पौधे, फूल, पत्ते देखें और चर्चा करें...**

पेड़ या पौधा का आकार कैसा है? | उनके पत्ते या फूल का रंग क्या है? | उनकी बनावट कैसी है?

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 बच्चों से बातचीत करें कि शिवरात्रि क्यों मनाया जाता है? इस दिन लोग क्या क्या करते हैं? | 2 बच्चों से बातचीत करें कि दूसरे गाँव/ शहर से कोई व्यक्ति आया है, और वह आपके गाँव को देखना चाहता है। आप गाइड की तरह उन्हें क्या-क्या दिखाएँगे? | 3 बच्चों से चर्चा करें कि कौन-सी सब्जियाँ ज़मीन के ऊपर उगती हैं और कौन-सी नीचे। जैसे बैंगन, तोरी, आलू आदि। बच्चे इनका चित्र बनाएँ और नाम भी लिखें। | 4 बच्चों से बातचीत करें कि हवा में गंदगी/प्रदूषण होना क्या है? इसको किस तरह से रोका जा सकता है? खुद के बचाव के लिए क्या क्या करना चाहिए? | 5 बच्चों से बातचीत करें कि अगर वे एक दिन के लिए किसान बन जाएँ तो वे क्या-क्या करेंगे? कौन-सी चीज़ें उगाएँगे और क्यों? | 6 बच्चों के साथ मिलकर खेलें। बच्चों की आँखों पर पट्टी बाँधकर घर में रखी अलग-अलग चीज़ों को केवल सूँघकर उनके नाम बताने के लिए कहें। |
| 7 ? बच्चों को पूछें उनके नाम में कितने अक्षर आते हैं। नाम के हर अक्षर से शुरू होने वाले 4-5 शब्द बच्चे बताएँ। प - पतंग, क - किताब आदि। | 8 बच्चों से अपने पास के गाँव या शहर के बारे बातचीत करें कि उसके बारे में क्या क्या सुना है? उनसे पूछें कि अगर वे वहाँ जाएँ तो क्या देखना पसंद करेंगे और क्यों? | 9 बच्चों को चित्र दिखाकर उनसे चर्चा करें कि ये चित्र किसका है? यह कहाँ बना हुआ है? इसको देखने के लिए दुनिया भर से लोग क्यों आते हैं? | 10 आपके घर / गाँव के आसपास कौन सी नदी, तालाब, पहाड़, मैदान, रेगिस्तान या समुद्र इलाका है? बच्चों के साथ चर्चा करें। | 11 बच्चों को कहें घर पर जितने भी फल खाएँ, उनके बीज जमा करते जाएँ और साथ मिलकर इन्हें गिट्टी में बो दें। फिर देखें कौन-सा बीज कितने दिनों में उगता है। | 12 मिलकर कल्पना करें कि बच्चों ने एक मिट्टी का सुन्दर घड़ा बनाया और उसमें से इच्छा पूरी करने वाला एक जिन्न निकला। बच्चे जिन्न से कौन-सी तीन चीज़ें मांगेंगे और क्यों? | 13 एक दिन में होते हैं 24 घंटे। एक घंटे में होते हैं 60 मिनट। एक मिनट में होते हैं 60 सेकंड। बच्चों को पता लगाने को कहें कि एक दिन में कितने मिनट होते हैं ? |
| 14 बच्चों से चर्चा करें कि घड़ी देखकर नोट करें वे कितने बजे उठते हैं, नाश्ता कितने बजे करते हैं, दिन और रात का खाना कितने बजे होता है और सोने कितने बजे जाते हैं? | 15 बच्चों के साथ चर्चा करें कि बच्चों को घर में कौन-कौन सी चीज़ें अच्छी लगती हैं, उनका वे चित्र बनाएँ और उसमें रंग भी भरें। | 16 बच्चों से चर्चा करें कि हम भारत देश में किस जगह रहते हैं? कौन से राज्य में है? हमारे पड़ोसी राज्य का नाम क्या है? | 17 बसंत ऋतु में आसपास रंग-बिरंगे फूल दिखते हैं। बच्चों से कहें कुछ गिरे फूलों को उठा कर किताब के पन्नों के बीच दबा दें। | 18 आज होली है। बच्चों से बातचीत करें कि होली क्यों मनाई जाती है? इस दिन क्या क्या करते हैं और इस दिन कौन-कौन से पकवान खाते हैं? | 19 चित्र दिखाते हुए बच्चों से बातचीत करें कि यह किसका चित्र है? ये क्या क्या करते हैं? अपने शिक्षकों के नाम बताने को कहें। | 20 बच्चों से चर्चा करें कि जब वे खुश, गुस्सा और दुखी होते हैं तो कैसे दिखते हैं। यह तीन भाव उनके चेहरे पर कैसे दिखते हैं, इनका चित्र बनाएँ। |
| 21 बच्चों को कहें अपने सोने और जागने का समय देखकर पता लगाएँ कि वे कितने घंटे सोते हैं। ऐसे ही बच्चे घर के बाकी लोगों के सोने के घंटों का पता लगाएँ। | 22 बच्चों को अपने घर पर माने जाने वाले कोई भी एक रीति रिवाज़ के बारे में बताएँ और उस पर चर्चा भी करें। | 23 बच्चों से बात करें कि अगर वे घर के किसी भी सामान को छोटा या बड़ा कर पाते तो किन-किन सामान को छोटा करते? और किन को बड़ा और क्यों? | 24 बच्चों के साथ मिलकर आज पक्षियों को खाने के लिए खुली जगह में दाने डालें और देखें कि कौन-कौन से पक्षी खाने आते हैं? कुछ पक्षियों के चित्र भी बनाएँ। | 25 बच्चों के साथ मिलकर आसपास उड़ते पक्षियों को पहचाने और बच्चे उनका चित्र बनाएँ। | 26 बच्चों से बातचीत करें कि अगर वे गाँव या मोहल्ले के प्रसिद्ध मूर्तिकार होते तो वे क्या-क्या बनाते और कैसे? | 27 बच्चों के साथ एक खेल खेलें। बच्चों की आँखों पर पट्टी बाँधकर उनके सामने अलग-अलग चीज़ें रखें और उनको छूकर उनका नाम बताने के लिए कहें। |
| 28 आज बच्चों के साथ आस-पास की सारी निर्जीव वस्तुओं में से उनकी पसंद की वस्तुओं का रंगीन चित्र बनाएँ। इनमें से कौन-सी प्रकृति में अपने आप पाई जाती हैं और कौन-सी इंसान ने बनाई है, इस पर चर्चा करें। | 29 ? बच्चों से बातचीत करें कि उनको किन-किन चीज़ों से डर लगता है? आप अपना डर भी उन्हें बताएँ। जब डर लगता है तब क्या करते हैं? | 30 बच्चों से बातचीत करें कि आपके घर में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में किनका घर है? अपने घर को बीच में रखते हुए चारों तरफ के घरों का चित्र बनाकर नाम लिखने में बच्चों की मदद करें। | 31 बच्चों के साथ मिलकर ऐसी सब्जियों की लिस्ट बनाएँ जो कि एक फल है जैसे टमाटर, मिर्ची आदि। | | | |

# 2022 अप्रैल

**आओ मिलकर मिट्टी के खिलौने बनाएँ और चर्चा करें...**

चरण-1

चरण-2

चरण-3

चरण-4

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | **1** बच्चों के साथ मिलकर आकाश में चाँद को खोजें, पर वह आपको नहीं दिखेगा, क्योंकि आज अमावस्या है। आज से अगले 15 दिनों तक चाँद के अलग अलग आकारों को देखें और चित्र बनाएँ। | **2** आज से रमज़ान शुरू हो रहे हैं और आज गुड़ी पड़वा भी है। बच्चों से इन दोनों के बारे में चर्चा करें कि ये दोनों क्यों मनाए जाते हैं और कैसे? | **3** बच्चों के साथ मिलकर चर्चा करें कि हम घर पर पानी की बचत कैसे कर सकते हैं? ऐसे कौन से काम है जिनमें पानी बर्बाद होने की ज़्यादा संभावना होती है? |
| **4** "एक दिन माँ और पापा बाज़ार की ओर जा रहे थे। एक ज़ोरा त्योहार आने वाला था..." बच्चों से चर्चा करें कि आगे कहानी में क्या हुआ होगा? मिलकर कहानी को पूरा करें। | **5** साथ में मिलकर चर्चा करें कि घर में बिजली किन किन कामों में उपयोग की जाती है? ऐसे सामानों की लिस्ट या चित्र बनाएँ जो बिजली से चलते हैं। | **6** यह चित्र इंडिया गेट का है। बच्चों से बात करें कि यह किस शहर में स्थित है? इसे देखने लोग क्यों जाते हैं? | **7** बच्चों के साथ मिलकर ऐसी सब्ज़ियों की सूची बनाएँ जो ज़मीन के नीचे पैदा होती है। बच्चों से उनके चित्र भी बनवाए जा सकते हैं। | **8** बच्चों से बातचीत करें कि उन्हें सभी ऋतुओं में कौन-सी ऋतु सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों? उस ऋतु में वे क्या करना पसंद करते हैं? | **9** बच्चों से बातचीत करें कि पास के बाज़ार में क्या-क्या मिलता है? उनकी एक लिस्ट बनाने में बच्चों की मदद करें। समय मिलने पर बच्चों को बाज़ार घुमाने के लिए भी ले जाएँ। | **10** आज रामनवमी है। बच्चों से चर्चा करें कि यह क्यों मनाई जाती है? बच्चों से चर्चा करें कि हमें अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए क्या क्या करना चाहिए? |
| **11** आज बच्चों के साथ मिलकर कागज़ की नाव बनाएँ और उसे पानी में तैराएँ। मिलकर चर्चा करें कि नाव पानी में क्यों तैरती है जबकि दूसरी बहुत-सी चीज़ें डूब जाती हैं। | **12** बच्चों से चर्चा करें कि चीज़ों को कैसे नापा जाता है? नापने के लिए किन-किन चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं? घर के एक कमरे को नापने में बच्चों की मदद करें। | **13** बच्चों से चर्चा करें कि ऐसे कौन-कौन से त्योहार हैं जिनको पूरे मोहल्ले/गाँव साथ मिलकर मनाते हैं? सब मिलकर इन त्योहारों को कैसे मनाते हैं? कौन क्या करते हैं? | **14** आज महावीर और अम्बेडकर जयंती है। बच्चों से चर्चा करें कि ये कौन थे और उनकी जयंती क्यों मनाई जाती है? साथ में आज कई राज्यों के नववर्ष भी है। किन-किन राज्यों में आज नववर्ष मनाया जाता है? जैसे असम में बिहू। | **15** आज गुड फ्राइडे है। बच्चों से बातचीत करें कि इसे क्यों मनाया जाता है? इस दिन लोग क्या-क्या करते हैं? | **16** आज पूर्णिमा है। बच्चों के साथ रात में चाँद देखें और चर्चा करें कि चाँद में क्या कोई आकृति दिख रही है? उसके बाद चाँद का चित्र बनाने के लिए कहें। | **17** बच्चों को चित्र दिखाते हुए पूछें कि यह किसका चित्र है? यह कहाँ पर स्थित है? इसे देखने के लिए लोग क्यों जाते हैं? |
| **18** आज बच्चों को अपने बचपन के सबसे प्रिय दोस्त के बारे में बताएँ और उनसे जुड़ा कोई किस्सा भी सुनाएँ। बच्चों से कहें कि वे भी अपने प्रिय दोस्त के बारे में बताएँ। | **19** बच्चों को कहें कि वे अलग-अलग आकार की किताबें निकालें और अपनी हथेली से उसका नाप लें। आप भी अपनी हथेली से नाप लें, दोनों में कितना अंतर है और क्यों? | **20** बच्चों से चर्चा करें कि जंगल में क्या क्या पाया जाता है? जंगल से हमको कौन-कौन से फ़ायदे मिलते हैं? बच्चों के साथ मिलकर जंगल का एक चित्र बनाएँ। | **21** बच्चों से मिलकर चर्चा करें कि ऐसी कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ हैं जिनके पत्ते खाए जाते हैं? इनकी एक सूची बनवाएँ और चित्र भी बनाएँ। | **22** बच्चों से चर्चा करें कि गर्मी के मौसम में क्या खाने में सबसे ज़्यादा अच्छा लगता है और क्यों? आप भी अपनी पसंद बताएँ और मिलकर उस चीज़ का चित्र बनाएँ। | **23** बच्चों के साथ मिलकर पास के बाज़ार का एक नक्शा बनाएँ। मिलकर याद करें कि वहाँ कौन-कौन सी दुकानें होती हैं? क्या-क्या बेचा जाता है? | **24** बच्चों के साथ चर्चा करें कि अपने गाँव या आसपास ऐसे कौन से स्थान हैं जिनका पानी पीने या उपयोग करने लायक नहीं है। बच्चे उनका चित्र बनाएँ। |
| **25** बच्चों से कहें आज वे आपको उनका सीखा हुआ सबसे नया खेल सिखाएँ और साथ में मिलकर उस खेल को खेलें। | **26** आज बच्चों के साथ घर की किसी वस्तु को गौर से देखने का खेल खेलें। जैसे वह वस्तु क्या है? किस काम आती है? किस से बनी है? | **27** बच्चों से बातचीत कि जंगल में कौन-कौन से जानवर रहते हैं? कौन से ऐसे जानवर है जो आपको ज्यादा ख़तरनाक लगते हैं और क्यों? उनका चित्र भी बनवाए। | **28** बच्चों से मिलकर चर्चा करें कि ऐसी कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ हैं जो लताओं पर लगती हैं? इनकी एक लिस्ट बनवाएँ और चित्र भी बनाएँ। | **29** बच्चों के साथ मिलकर चंद्रमा के बढ़ते-घटते आकार का चित्र बनाएँ। | **30** सात दिन मिले तो बना एक हफ़्ता। एक दिन में होते हैं 24 घंटे। एक घंटे में होते हैं 60 मिनट। बच्चों को पता लगाने को कहें कि एक हफ़्ते में कितने घंटे होते हैं? | |

# 2022 मई

**आओ अलग-अलग कीड़े, पक्षी, जानवर देखें और चर्चा करें...**

कौन-सा जीव कहाँ मिलता है? | वह कैसा दिखता है? | वह क्या खाता है?

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30<br>बच्चों के साथ मिलकर परिवार के सदस्यों की हँसी की नक़ल करने का खेल खेलें। हँसी से उस सदस्य का नाम पहचानें। | 31<br>बच्चों के साथ मिलकर घर का कोई एक कोना या हिस्सा सजाएँ या साफ़ करें। बच्चों से इस पर चर्चा करें कि ऐसा करना क्यों ज़रूरी है? | | | | | 1<br>नींद की अपनी दुनिया है और सपने उसका एक बड़ा हिस्सा। बच्चों से चर्चा करें कि वे अपने किसी सपने के बारे में बताएँ? आप भी अपने सपने के बारे में बताएँ। |
| 2<br>बच्चों के साथ आज चर्चा करें कि जल के गंदा / प्रदूषित हो जाने के क्या-क्या कारण हो सकते हैं? इसके नुकसान क्या हैं? जल को प्रदूषित होने से कैसे बचाएँ? | 3<br>ईदुलफ़ितर, ईद के त्योहार की घोषणा में चाँद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चों के साथ मिलकर ईद का चाँद ज़रूर देखें। उनसे चर्चा करें कि ईद क्यों मनाई जाती है? इसे कैसे मनाया जाता है? | 4<br> <br>दिए गए चित्र पर बच्चों से चर्चा करें। यह किसका चित्र है और कहाँ स्थित है? | ? 5<br>साथ मिलकर पास के पार्क या मैदान की सैर पर जाएँ और ध्यान से देखें, कौन-से पेड़ लगे हैं, बैठने और खेलने के लिए क्या है, कौन-से फूल खिले हैं। | 6<br> <br>साथ में चर्चा करें गर्मी के मौसम में क्या पीने में सबसे ज़्यादा अच्छा लगता है और क्यों? मिलकर अपनी अपनी पसंद बताएँ। | 7<br> <br>आज रविन्द्रनाथ टैगोर का जन्मदिन है। बच्चों से बात करें कि ये कौन हैं? इन्हें क्यों याद किया जाता है? | 8<br>बच्चों के साथ आज चर्चा करें कि अगर वे एक दिन के लिए माँ या पिता होने की नक़ल करें, तो वे क्या-क्या करना चाहेंगे और क्यों? |
| 9<br>बच्चों से बात करें कि आपके नाम में कितने अक्षर आते हैं। फिर हर अक्षर से शुरू होते कोई भी 5 शब्द बताने को कहें। | 10<br>बच्चों के साथ मिलकर आज घर के किसी कमरे या बरामदे को अपने पैर से मापने का खेल खेलें। पहले बच्चे अपने पैर के पंजे से नापें फिर आप भी अपने पंजे से नापें। | ? 11<br>बच्चों से देश की मुख्य नदियों के बारे में चर्चा करें। इनमें से आपके शहर या गाँव के पास से कौन-सी नदी गुज़रती है? | 12<br> <br>बच्चों के साथ पार्क, खेत या मैदान की सैर के बारे में चर्चा करें और वहाँ का एक चित्र बनाने को कहें। | 13<br>बच्चों के साथ चर्चा करें कि गर्मी के मौसम में कौन-कौन से फल होते हैं? बच्चों को इस मौसम में कौन-सा फल पसंद है? चर्चा करें। | 14<br>बच्चों से चर्चा करें कि हमारे आसपास मेला कहाँ लगता है? मेले में उन्हें क्या सबसे अच्छा लगता है और क्यों? | 15<br>बच्चों को कहें ज़मीन या कागज़ पर हाथ, पैर या कोई भी अंग रखकर चॉक या पेन से रेखा खींचकर चित्र बनाएँ। |
| 16<br>बच्चों को बताएँ कि आज बुद्ध पूर्णिमा है। उनसे चर्चा करें कि यह क्यों मनाई जाती है? आज रात चाँद भी ज़रूर देखें। | 17<br>बच्चों के साथ चर्चा करें कि गर्मी के मौसम में ऐसी कौन-सी पीने की चीज़ें हैं जो घर पर बनाई जा सकती है? अगर संभव हो तो मिलकर कुछ बनाएँ। | 18<br> <br>बच्चों से चर्चा करें कि यह चित्र किसका है? यह कहाँ स्थित है? इसे देखने लोग क्यों जाते हैं? | 19<br>आज बच्चों के साथ मिलकर मिट्टी से कुछ बनाएँ। जैसे मनपसंद खिलौने या कुछ और चीज़ जो पसंद हो। सूखने के बाद उसे रंग भी करें। | 20<br>बच्चों से चर्चा करें कि वैसे तो हमारा राष्ट्रीय फूल कमल है, अगर बच्चों को मौका मिलता तो वे कौन-से फूल को राष्ट्रीय फूल बनाते और क्यों? साथ में मिलकर चित्र बनाएँ। | 21<br>बच्चों से चर्चा करें कि अगर बच्चे एक दिन के लिए पुलिस अफ़सर बन गए, तो उस दिन वे क्या-क्या काम करेंगे? | 22<br>बच्चों के साथ शरीर के सभी अंगों पर चर्चा करें। जैसे कौन-से ऐसे अंग हैं जो दिखाई देते हैं और कौन-कौन से नहीं? बच्चे इनका नाम लिखें या चित्र बनाएँ। |
| 23<br>बच्चों के साथ मिलकर मोबाइल फ़ोन पर बातचीत करें जैसे मोबाइल के फ़ायदे और नुकसान क्या-क्या हो सकते हैं? | 24<br>बच्चों के साथ मिलकर पता लगाएँ कि घर की दीवारों पर कितने फोटो फ्रेम लगे हैं और उनमें क्या टाँगा गया है? | 25<br>बच्चों से चर्चा करें कि इस चित्र में क्या दिख रहा है? हमारा राज्य किस दिशा में स्थित है? | 26<br>बच्चों से बात करें कि अगर बच्चे कुम्हार होते तो क्या-क्या सामान बनाते? इन सामानों का चित्र बनाकर उसमें रंग भी भरें। | 27<br>बच्चों से चर्चा करें कि आम फलों का राजा कहा जाता है। बच्चों के साथ आम की अलग-अलग प्रकारों पर चर्चा करें जैसे- दशहरी, लँगड़ा, सफ़ेदा, चौसा आदि। | 28<br>बच्चों के साथ चर्चा करें कि अगर वे कोई लेखिका/लेखक या कवयित्री/ कवि होते तो क्या लिखना पसंद करते और क्यों? बच्चों के साथ कोई कविता गाएँ। | 29<br>बच्चों से चर्चा करें कि जब मैं घर शब्द सुनता/ सुनती हूँ तो मेरे दिमाग में सामान, परिवार, मकान, माँ, पिताजी आदि शब्द आते हैं, बच्चों के दिमाग में क्या-क्या आता है? |

# 2022 जून

**आओ मिलकर शाम की बैठक सजाएँ...**

मिलकर गाना गाएँ और चर्चा करें।

मिलकर कहानी बनाएँ और चर्चा करें।

बचपन के किस्से सुनाएँ और चर्चा करें।

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 बच्चों के साथ मिलकर दस नदियों के नाम की सूची बनाएँ। चर्चा करें कि नदियाँ कहाँ से निकलती हैं? कैसे बनती होंगी? इनमें पानी कहाँ से आता होगा? | 2 बच्चों के साथ मिलकर इस जानवर के बारे में चर्चा करें। इसका नाम क्या है? यह हमारे किस काम आता है? | 3 आज बच्चों के साथ पता लगाएँ कि गर्मी के मौसम में कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ आ रही हैं? उनके चित्र भी बनाएँ। | 4 बच्चों के साथ मिलकर चर्चा करें कि गाँव या शहर में किस-किस प्रकार के सरकारी कर्मचारी और अधिकारी होते हैं? उनके क्या क्या काम रहते हैं? | 5 आज पर्यावरण दिवस है। बच्चों से चर्चा करें कि वे अपने आस-पास के पेड़-पौधों की देखभाल कैसे कर सकते हैं ? |
| 6 बच्चों के साथ मिलकर चर्चा करें कि घर में साफ-सफ़ाई के लिए कौन-कौन से सामान उपयोग में लाए जाते हैं? जैसे झाड़ू, कपड़ा आदि। | 7 गर्मी में आम खाना किसे पसंद नहीं? आम से कई खाने-पीने की चीज़ें बनाई जा सकती हैं। आम से क्या क्या बन सकता है, बच्चों के साथ मिलकर चर्चा करें। | 8 बच्चों के साथ मिलकर सोचें कि पहले लोग नदियों/ तालाबों के पास ही अपना शहर/ गाँव बसाया करते थे। चर्चा करें की ऐसा भला क्यों होता होगा? | 9 आपके घर/गाँव के कौन-सी नदी, तालाब, पहाड़, मैदान, रेगिस्तान या समुद्र है? बच्चों के साथ चर्चा करें। | 10 गर्मियों में सूर्योदय और सूर्यास्त कितने बजे होता है ? बच्चों को पता लगाने को कहें। | 11 क्या बच्चों ने पहले कोई खेत देखा है? अगर हो सके तो उन्हें पास के खेत पर ले जाएँ या वहाँ क्या-क्या होता है इस पर चर्चा करें। | 12 बच्चों से चर्चा करें कि वे अपने घर या बाहर, आस-पड़ोस में कौन से पेड़, पौधे लगाना पसंद करेंगे? और क्यों? |
| 13 बच्चों के साथ आज घर की किसी भी घड़ी को देखें। इसमें कितने काँटे हैं, उनके नाम क्या हैं? कौन-सा सबसे तेज़ चलता है? बच्चे घड़ी का चित्र भी बनाएँ। | 14 बच्चों को कहें अगर उनके पास रूलर या टेप न हो तो वे कमरे का नाप कैसे लेंगे? अपने पैर से चलकर कमरे का नाप लेकर बच्चों को दिखाएँ। ऐसे ही बच्चे घर की लंबाई और चौड़ाई नापें। | 15 बच्चों के साथ मिलकर सोचें - अगर आपके घर कोई आने वाला हो तो आप उन्हें घर का रास्ता कैसे बताएँगे? | 16 बच्चों के साथ चर्चा करें कि घरों में गाय, भैंस जैसे पशु रखने के क्या फ़ायदे और नुकसान हैं? लोग इन्हें ज़्यादातर क्यों पालते हैं? | 17 बच्चों को कहें ऐसे फल और सब्ज़ियों की एक लिस्ट बनाएँ जो रसीले होते हैं और कच्चे ही खाए जाते हैं। जैसे कि टमाटर, अंगूर, संतरा आदि। | 18 बच्चों को पता लगाने को कहें कि घर का कूड़ा कहाँ फेंका जाता है। इस बात पर चर्चा करें कि यह फेंका हुआ कूड़ा फिर कौन ले जाता होगा और कहाँ जमा किया जाता होगा और क्यों? | 19 बच्चों से पर्यावरण के बारे में चर्चा करें। पर्यावरण में पेड़ पौधे, जीव-जंतु का क्या महत्व है। |
| 20 बच्चों को चिट्ठी लिखने और सूचना देने के बारे में बताएँ। अगर आज बच्चे किसी को चिट्ठी लिखना चाहें, तो वे किसे लिखेंगे और क्या सूचना देंगे? | 21 बच्चों से चर्चा करें कि अगर उन्हें गर्मियों की छुट्टियों में अपने घर के बदले किसी और रिश्तेदार के घर जाकर रहना होता तो वे किसके घर जाना पसंद करते और क्यों? | 22 बच्चों से बात करें कि उनके गाँव या शहर में घूमने की मनपसंद जगह कौन-सी है और क्यों? आप भी अपनी पसंद बताएँ। | 23 बच्चों के साथ मिलकर चर्चा करें कि ऐसे कौन से पेड़-पौधे या पत्तियाँ हैं जो शरीर को ठीक रखने या दवाई के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। उनके चित्र बनाने में मदद करें। | 24 आज बच्चों से चर्चा करें कि गर्मी के मौसम में क्या-क्या अच्छा लगता है और क्या-क्या अच्छा नहीं लगता है और क्यों? आप भी बताएँ। | 25 बच्चों के साथ चर्चा करें कि कोई भी चिट्ठी डाक द्वारा दिए गए पते पर कैसे पहुँचती होगी? पहुँचने से पहले बीच में क्या क्या होता होगा? | 26 बच्चों के साथ घर से स्कूल के रास्ते के बारे में चर्चा करें। वे स्कूल कैसे जाते हैं? कौन-सा रास्ता लेते हैं? रास्ते में क्या-क्या दिखता है? |
| 27 बच्चों के साथ मिलकर आज अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम में कितने-कितने अक्षर/ आवाज़ें हैं? उनका पता लगाएँ। | 28 बच्चों को घर की दीवारों को ध्यान से देखने और पता लगाने को कहें कि हुक और कीलों से क्या-क्या सामान लटकाया या टाँगा गया है? एक-एक पर बात करते जाएँ। | 29 आपके पड़ोस/गाँव या शहर की कौन-सी खाने की चीज़ सबसे ज़्यादा चर्चित है? ऐसी कौन-सी खाने की चीज़ है जो आप और बच्चों को बहुत पसंद हैं पर आपके आस-पास नहीं मिलती। चर्चा करें। | 30 बच्चों के साथ घर के बाहर, आसपास या पार्क जाएँ और उन्हें गिरे हुए फूल पत्ते इकट्ठा करने को कहें। फिर वापस आकर साथ मिलकर एक माला बनाएँ। | | | |

# NOTES

# NOTES